न्यूज डायरी

दुनिया का सबसे बड़ा कोरोना ड्रग ट्रायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रिटेन। कोरोना वायरस के कहर से जूझ रही दुनिया को इस महामारी से निजात दिलाने के लिए आज से ब्रिटेन में दुनिया का सबसे बड़ा ड्रग ट्रायल शुरू हो गया है। ब्रिटेन में बेहद अप्रत्याशित तेजी के साथ शुरू होने जा रहे इस परीक्षण पर पूरे विश्व की नजरें टिकी हुई हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन से आने वाले कुछ सप्ताह में चमत्कार हो सकता है। ब्रिटेन में 165 अस्पतालों में करीब 5 हजार मरीजों का एक महीने तक और इसी तरह से यूरोप और अमेरिका में सैकड़ों लोगों पर इस वैक्ध्सीन का परीक्षण होगा। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विभाग के प्रफेसर पीटर हॉर्बी कहते हैं, यह दुनिया का सबसे बड़ा ट्रायल है। प्रफेसर हॉर्बी पहले इबोला की दवा के ट्रायल का नेतृत्व्ध कर चुके हैं। उधर, ब्रिटेन के हेल्थ मिनिस्टर मैट हैनकॉक ने कहा है कि दो वैक्सीन इस वक्त सबसे आगे हैं।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 10,513, मृतक संख्या 224

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस के 742 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोविड–19 के मामले बढ़कर 10,513 हो गए। वहीं संक्रमित 15 और लोगों की मौत के बाद वायरस के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 224 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '' पंजाब में 4,590 मरीज, सिंध में 3,373, खय्बर पख्तूनखवा में 1,453, बलूचिस्तान में 552, गिलगित–बाल्टिस्तान में 290, इस्लामाबाद में 204 और आजाद कश्मीर (पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर) में 51 मामले हैं।''अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसार विश्वभर में 26 लाख से अधिक कोरोना वायरस के मामले सामने आए हैं और कम से कम 1,83,000 लोगों की इससे जान जा चुकी है।इस बीच, पाकिस्तान ने बताया कि विदेश में फंसे पाकिस्तानियों को देश वापस लाने के प्रयासों के बीच देश वापस आने के लिए 46,500 से अधिक नागरिकों ने आधिकारिक मंच पर पंजीकरण किया है।

दुनिया भर में 1 लाख 80 हजार लोगों की जा चुकी है जान, दो तिहाई यूरोप में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। दुनिया भर में कोरोना वायरस से मौतों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। अबतक एक लाख 80 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जिसमें करीब दो–तिहाई यूरोप में हुई है। यह आंकड़ा आधिकारिक स्रोतों पर आधारित है। यह वायरस पहली बार पिछले साल दिसंबर में चीन (बिपदं) में सामने आया था। आंकड़े के मुताबिक, दुनिया भर में अभी तक एक लाख 80 हजार 289 लोगों की मौत हो चुकी है और 25 लाख 96 हजार 383 लोग संक्रमित हुए हैं। यूरोप में एक लाख 12 हजार 848 लोगों की मौत हुई है जबकि 12 लाख 63 हजार 802 लोग इससे संक्रमित हैं। सर्वाधिक मौत अमेरिका में 45 हजार 153 लोगों की हुई है। इटली में कोरोना वायरस से 25 हजार 85, स्पेन में 21 हजार 717, फ्रांस में 21 हजार 340 और ब्रिटेन में 18 हजार 100 लोगों की मौत हो चुकी है।

30 घंटे पिता से बात करती रही बेटी, सांस रुकी तो रखा फोन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस के कहर से से दुनियाभर में कई लोगों ने अपने करीबियों को खोया है। इनमें अधिकांश लोग उस वक्त अस्पताल में अपने चाहने वालों के पास नहीं थे, जब वे अपनी आखिरी सांस ले रहे थे। एबी एडेयर रीनहार्ड के पिता भी कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से न्यूयॉर्क में अस्पताल में भर्ती थे। वह अपने पिता के आखिरी पलों में उनसे बातें करना चाहती थीं। उस समय नर्स ने उनकी मदद की और अस्पताल के फोन से उनकी बात कराई। एबी और उनके तीन भाई–बहन अपने पिता से 30 घंटे से अधिक समय तक बातें करते रहे। उन्होंने अपने पिता से तब तक बात की, जब तक उन्होंने अपनी आखिरी सांसें नहीं ले लीं। एबी एडेयर रीनहार्ड ने बताया, मुझे पता था कि मैं अपने पिता से आखिरी बार बात कर रही हूं।

वैज्ञानिकों को मिला कोरोना वायरस का कनेक्शन

कोरोना पहले जंगली जानवरों में पैदा हुआ, फिर इंसान संक्रमित हुए

संकट

■अब तक 184,280 लोग इस महामारी से मारे गए हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लॉस एंजिलिस। दुनियाभर में महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस के ओरिजध्नि को लेकर चल रही अटकलों के बीच अमेरिकी वैज्ञानिकों को बेहद अहम जानकारी हाथ लगी है। अमेरिकी वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना वायरस पहले जंगली जानवरों में पैदा हुआ और फिर इंसान भी इससे संक्रमित हो गए। कोरोना वायरस से पूरा विश्व प्रभावित है और अब तक 1,84,280 लोग इससे मारे गए हैं। यही नहीं दुनिया की आधी आबादी लॉकडाउन में अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी और पिछले एक दशक में आई संक्रामक रोगों का संबंध वन्यजीवों से है। यूनिवर्सिटी में प्रफेसर पाउला कैनन ने कहा, हमने ऐसी परिस्थितियां पैदा की हैं जिसमें मात्र कुछ समय के अंदर यह हो गया। यह कुछ समय बाद दोबारा होगा। वैज्ञानिक अभी यह निश्चित नहीं हैं कि ताजा संक्रमण कैसे शुरू हुआ लेकिन उनका मानना है कि कोरोना वायरस घोड़े की नाल के आकार के चमगादड़ों से फैला है।

कोरोना वायरस चमगादड़ से इंसान में फैला: कैनन ने कहा कि इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि कोरोना वायरस चमगादड़ से इंसान में फैला। वर्तमान समय में इस महामारी के ओरिजिन को लेकर सबसे अच्छा संक्रमण है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चीन के वुहान शहर के एक मीट मार्केट से इंसानों में कोरोना वायरस फैला। इस मार्केट में जिंदा वन्ध्यजीव बेचे जाते थे। उन्ध्होंने कहा कि इसी तरह के संक्रमण कुछ साल पहले भी मर्स और सार्स के दौरान हुए थे।

शोधकर्ताओं ने कहा कि साक्ष्य बताते हैं कि मर्स वायरस चमगादड़ों से ऊंटों में फैला और ऊंटों से इंसान में इसका संक्रमण हुआ। वहीं सार्स के बारे में माना जाता है कि इसके वायरस चमगादड़ से बिल्लियों में फैले और वहां से इंसानों में प्रवेश कर गए। वैज्ञानिकों ने कहा कि इबोला वायरस भी चमगादड़ों से ही इंसानों में आया। इबोला वर्ष 1976, 2014 और 2016 में अफ्रीका में फैल चुका है।

दुनिया में सैकड़ों कोरोना वायरस हैं कैनन ने कहा कि कोरोना वायरस पर पैंगोलिन की भी छाप है लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पैंगोलिन का कोई सीधी भूमिका है या वह खुद भी चमगादड़ का शिकार है। उन्होंने कहा, सैकड़ों कोरोना वायरस हैं और इनमें से बड़ी संख्या में चमगादड़ में पाए जाते हैं। कैनन ने कहा कि हमें आशंका है कि आने वाले समय में और ज्यादा कोरोना वायरस इंसानों में संक्रमण कर सकते हैं। हालांकि यह 100 साल में एक बार होता है। लेकिन यह जब होगा तब जंगल की आग तरह से पूरी दुनिया में फैल जाएगा।

सबसे बड़े मुस्लिम मुल्क इंडोनेशिया ने पाबंदियां बढ़ाईं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बैंकॉक। दुनिया के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया में रमजान की तैयारी शुरू होने के साथ ही राजधानी जकार्ता में सामाजिक पाबंदियों का विस्तार कर दिया गया है। जकार्ता के गवर्नर एनीज बस्वेदान ने बताया कि गुरुवार को खत्म होने वाली पाबंदियों को 22 मई तक बढ़ा दिया गया है।

जकार्ता में बुधवार तक संक्रमण के 3,383 मामलों की पुष्टि हुई जिनमें से 301 लोगों की मौत हो चुकी है। जकार्ता के गवर्नर बस्वेदान ने बुधवार देर रात एक संवाददाता सम्मेलन में मुस्लिमों से कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए रमजान के दौरान मस्जिद से संबंधित गतिविधियों को स्थगित करने का अनुरोध किया। इस्लाम के पवित्र महीने रमजान की शुरुआत शुक्रवार को हो सकती है जो चांद के दिखाई देने पर निर्भर करेगा।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने पिछले महीने स्वीकार किया था कि सरकार ने दहशत को रोकने के लिए देश में कोरोना वायरस फैलने के बारे में जानकारी छिपाने का फैसला किया था। लेकिन सोशल डिस्ध्टेंसिंग के नियमों में देरी और कम संख्या में जांच होने से इस संक्रामक रोग के बड़े पैमाने पर फैलने का डर पैदा हो गया है।

चीन में 70 दिन बाद फिर जकड़ ले रहा कोरोना वायरस, बढ़ी टेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। ठीक होने के 70 दिन बाद क्या फिर लौट रहा है कोरोना? इस सवाल ने चीन में चिंताएं बढ़ा दी हैं। कभी कोरोना के केंद्र रहे वुहान में मामला 50 साल के शख्स का है जिसे कोरोना के लक्षण मिलने पर शुरू में क्वारंटीन हब में रखा गया। इसका दो अलग–अलग अस्पतालों में इलाज हुआ। इलाज में रिपोर्ट निगेटिव आई तो उसे अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। हालांकि शख्स को जब फिर से कोरोना वायरस के संक्रमण का शक हुआ तो उसने टेस्ट कराया जो कि पॉजिटिव निकला है। इस व्यक्ति को संक्रमण से ठीक हुए दो महीने बीत चुके हैं।

चीन की वैक्सीन के ट्रायल के लिए बलि का बकरा बना पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। कोरोना वायरस को लेकर पूरी दुनिया में घिरे चीन की कोविड–19 वैक्सीन के लिए पाकिस्तान बलि का बकरा बनने जा रहा है? यह सवाल अब बहुत से लोगों के दिमाग में तैर रहा है। दरअसल, कभी कोरोना वायरस महामारी का गढ़ रहे चीन ने इससे निपटने के लिए एक वैक्सीन बनाई है जिसका अगले तीन महीने में पाकिस्ध्तान में ट्रायल किया जाएगा। इसके लिए दोनों देशों के बीच एक करार भी हुआ है।

चीन इसके जरिए यह जानने की कोशिश करेगा कि यह वैक्सीन कितना कारगर है और

चीन की बनी नई वैक्सीन को कई संस्थानों से मान्यता

इसका कोई दुष्प्रभाव तो नहीं है? पाकिस्तानी न्यूज चैनल 92 न्यूज से बातचीत में पाकिस्तान के नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के मेजर जनरल डॉक्टर आमिर इकराम ने कहा कि चीन ने वैक्सीन के ट्रायल के लिए काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ऐसी आशा है कि पाकिस्तान में अगले तीन महीने में कोरोना वायरस की वैक्सीन लॉन्च कर दी जाएगी।

इकराम ने कहा कि कई कंपनियां वैक्सीन बनाने का प्रयास कर रही हैं लेकिन चीन ने इसकी खोज कर ली है। उन्होंने कहा, आमतौर पर एक वैक्सीन को बनाने में 8 से 10 साल लगते हैं। चीन की बनी नई वैक्सीन को कई संस्थानों से मान्यता मिल गई है। हम इन सब मामलों को बहुत जल्द ठीक कर लेंगे। असल में चीन अपने अपने वैक्सीन का पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मरीजों पर क्लिनिकल ट्रायल करने जा रहा है। किसी भी वैक्सीन के इंसानों पर ट्रायल के बहुत खतरे होते हैं। मरीज की जान भी जा सकती है। बीमारी और ज्ध्यादा फैल सकती है।

इन सब खतरों के बावजूद पाकिस्तान की इमरान खान सरकार अपने आका चीन को खुश करने के लिए नागरिकों की जान दांव पर लगाने को तैयार हो गई है।

खुद पर टेस्ध्ट कराने वाले वालंटियर की कहानी जो खुद को हीरो नहीं मानता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। एक इंजेक्शन जिसके बारे में ये पता ना हो कि वह शरीर पर कैसा असर डालेगा। क्या आप वैसा इंजेक्शन लगवाने को तैयार होंगे? किसी ना किसी को तो हिम्मत दिखानी ही पड़ेगी। इंसानियत के लिए अपने शरीर को खतरे में डालना होगा। कोरोना वायरस वैक्सीन के ट्रायल में जो वालंटियर्स हिस्सा ले रहे हैं, वो असली हीरो हैं। इन वालंटियर्स की बहादुरी को सलाम कीजिए क्योंकि वे वो खतरा मोल ले रहे हैं जिससे हमारी–आपकी सुरक्षा का रास्ता निकलेगा। मगर वे खुद को हीरो मानने को भी तैयार नहीं। उन्हें तो लगता है कि ये बहुत सारे लोगों की मदद करने का बस एक मौका है। 36 साल के जॉन ज्यूक्स पर सबको गर्व होना चाहिए। वे उन 500 लोगों में से हैं जो अपने शरीर पर वैक्सीन की टेस्टिंग होने दे रहे हैं। जॉन की नम्रता देखिए। कहते हैं, ष्मुझे नहीं लगता जो मैं कर रहा हूं वो कोई हीरो जैसा काम है। मैं उस स्थिति में हूं जहां मैं बहुत सारे लोगों की मदद कर सकता हूं और ऐसा मौका चूकना नहीं चाहिए। इस वायरस ने हमारी जिंदगी पर जैसा असर डाला है, उससे कोई बच नहीं सकता।